मात्स्यिकी महाविद्यालय

(बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय;पटना)

अर्राबाड़ी पोस्टः रायपुर, जिला किशनगंज

मत्स्य पालको के लिए सलाह

भारत सरकार ने कोरोना वायरस महामारी से बचाव एंव रोकथाम के लिए 21 दिनों की तालाबंदी व सामाजिक दूरी बनायें रखने की घोषणा की है। जिसकी वजह से मत्स्य पालको को मछली फीड एंव अन्य उत्पादन सामग्री के अलावा मछली संग्रह ,जीवित मछली के विपणन की व्यवस्था करने में अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ।

उपरोक्त समस्यायो को ध्यान मे रखते हुए मत्स्य पालको को सलाह दी जाती है कि वे लॉकडाउन और लॉकडाउन के बाद की अवधि के दौरान मत्स्य गतिविधियों का प्रबंधन नीचे लिखे ढंग से करें ।

अः मछली तालाब का प्रबंधन

1ः मछली फीड (भोजन) की व्यवस्था

कठिनाई

कोरोना वायरस महामारी के कारण मछली फीड परिवहन सुविधाओं मे काफी कमी आयी है और फीड का उत्पादन भी कम हो गया है। ऐसी स्थिति में मत्स्य पालको को उचित मात्रा में मछली का भोजन नहीं मिल रहा है।

सुझाव

- ✓ इस स्थिति से निपटने के लिए, मत्स्य पालको को स्व–तैयार किया गये फीड का उपयोग करने की सलाह दी जाती है इस फीड को तैयार करने के लिए मत्स्य पालक स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्री जैसे कि खली, अपशिष्ट अनाज, चावल की भूसी, खनिज मिश्रण आदि का उपयोग कर सकते हैं।
- ✓ खुद के स्तर पर 100 किग्रा फिश फीड तैयार करने के लिए 40 किग्रा खली, 19 किग्रा अपशिष्ट अनाज(पीसा हुआ), 40 किग्रा चावल की भूसी व 1 किग्रा खनिज मिश्रण को ठीक से मिला लेना चाहिए ।
- ✓ मछली की पाचनशक्ति बढ़ाने के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध फीड सामग्री को उपयोग करने से पहले उबाला लेना चाहिए ।

2ः जल गुणवत्ता प्रबंधन

कठिनाई

आने वाले गर्मी के मौसम व तालाब उपचार के लिये रसायनों की अनुपलब्धता को देखते हुए जल गुणवत्ता बनाए रखना बड़ी समस्या हो सकती है ।

सुझाव

- इस स्थिति से निपटने के लिए किसानों को पानी की गहराई 1.5 मीटर से अधिक रखने की सलाह दी जाती है
- जल गुणवत्ता बनाए रखने के लिए, तालाब मे 250 किग्रा चूना और 500 ग्राम पोटेसियम परमैंगनेट प्रति हे प्रति माह प्रयोग करना चाहिए ।
- तालाब मे पानी के रंग को हल्का हरा बनाये रखे व गहरा हरा होने पर तालाब मे साफ पानी डाले।
- मछली की सख्य कम कर दे ताकि पानी की गुणवत्ता और मछली के विकास एव स्वास्थ्य पर बुरा प्रभव न पडे।

ब: मछली पकड़ने व विपणन प्रबंध

1:मछली पकड़ने की व्यवस्था

कठिनाई

लॉकडाउन और सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए सरकार की सलाह के कारण मछली पकड़ने के लिए श्रमिक उपलब्ध नहीं है।

सुझाव

- किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मछली पकड़ने के लिये स्थानीय मछुआरे या परिवार के सदस्य जिनके स्वास्थ्य की स्थिति आपको पता हो, उन्हें आपने तालाब से मछली पकड़ने के लिए काम पर लगये ।
- अगर स्थानीय मछुआरे या परिवार के सदस्य उपलब्ध नहीं है तो मछली पकड़ने के लिए उन जालो का उपयोग करें जो एकल मछुआरे द्वारा संचालित किए जाते हैं जैसे कि. गिल नेट(फांस जाल), कास्टनेट आदि।

2:मछली बेचने की व्यवस्था

- कोरोना वायरस को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए, आपको बड़े और भीड़ वाले मछली बाजार में मछली की बिक्री से बचने की सलाह दी जाती है।
- इस बात को ध्यान में रखते हुए कृपया प्रतिदिन मछली को कम मात्रा में पकडे और स्थानिय बाजार मे बिक्री करें।
- सावधान: मछली बेचने वाले स्थान पर लोगों का समूह ना बनाने दे, सामाजिक दूरी बनायें रखने (कम से कम 1 मिटर)।

किसी भी प्रकार की सहायता के लिए कृपया संपर्क करें:

मात्स्यिकी महाविद्यालय

(बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय;पटना)

अर्राबाड़ी पोस्ट: रायपुर, जिला किशनगंज

7523085610 / 7976237240